वर्ष :: 33 अंक : 04
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

समस्त सुधी पाठकों व शुभचिंतकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं!

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक
/mithilavarnan

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो :: रविवार, 23 अक्टूबर, 2022 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

एसी कमरों से निकल जनता के द्वार पहुंच रहीं योजनाएं

'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' निरंतर चलने वाला अभियान : मुख्यमंत्री

संवाददाता

बोकारो : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार विकास को लेकर तत्पर है। प्रत्येक क्षेत्र में राज्य को बेहतर दिशा देने की ओर प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। जनकल्याणकारी योजनाओं को विकास की राह में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' अभियान के तहत आज हम आपकी योजनाओं को लेकर आपके घर आए हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि सभी वर्ग-समुदाय के लोगों को उनके भावनाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप योजनाएं उन तक पहुंचे। मुख्यमंत्री बोकारो के सेक्टर-5 स्थित पुस्तकालय मैदान में 'आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार' के तहत आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां 541 करोड़ रुपए की लागत वाली 181 विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष जब सरकार आपके द्वार कार्यक्रम चलाया गया था, उस समय पूरे राज्य में 6 हजार शिविर लगे थे। इन शिविरों के माध्यम से लगभग 40 लाख आवेदन आए थे। राज्य सरकार ने लगभग 99% आवेदनों का निपटारा किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी पदाधिकारी आज आपके घर-द्वार पहुंचकर आपकी समस्याओं का निदान कर रहे हैं। शत-प्रतिशत आवेदनों का निपटारा होगा यह पदाधिकारियों को निर्देशित किया जा चुका है। पहले सरकारी पदाधिकारी तथा कर्मी सुदूर जंगल, नदी, पहाड़, पर्वत किनारे बसे ग्रामीण क्षेत्रों में जाने से कतराते थे, आज वे ही मोटरसाइकिल, ट्रैक्टर आदि पर बैठकर या पैदल चलकर आपके गांव-घर तक पहुंच रहे हैं और योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी किसी भी हाल में बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा - पहले जनकल्याणकारी योजनाएं एयर कंडिशन कमरों में बैठकर संचालित होती थीं, परंतु हमारी सरकार ने आज सभी योजनाओं को आपके द्वार तक लाने का काम कर दिखाया है। 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम महज एक महीने का अभियान नहीं, बल्कि आगे भी निरंतर चलने वाला अभियान रहेगा।

चुनौतियों से घबराने वाली नहीं हमारी सरकार : हेमंत

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के समक्ष नई-नई चुनौतियां आती रहती हैं, लेकिन इन चुनौतियों से घबराकर हमारी सरकार कभी पीछे नहीं हटती है। वर्तमान समय में राज्य में किसान वर्ग के बीच सुखाड़ की समस्या उत्पन्न हुई है। सुखाड़ की समस्या से निपटने के लिए हमारी सरकार ने कार्य योजना तैयार की है। "आपकी योजना-आपकी-सरकार आपके द्वार" के तहत लगने वाले शिविरों में प्रत्येक गांव में 5-5 योजनाओं का शिलान्यास करने का निर्देश पदाधिकारियों को दिया जा चुका है। अधिक से अधिक रोजगार का सृजन हो, इस निमित्त हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

सरकारी स्कूलों में डीपीएस-डीएवी की तर्ज पर मिलेगी शिक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में हमारे राज्य के बच्चों को निजी विद्यालयों के अनुरूप शिक्षा मिल सके, इस निमित्त राज्य सरकार कुछ विद्यालयों को अपग्रेड किया जा रहा है। अब हमारे बच्चों को भी सरकारी स्कूलों में डीपीएस-डीएवी स्कूलों की तर्ज पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। इन स्कूलों के संचालन के लिए प्रिंसिपल और शिक्षकों को प्रशिक्षित भी किया जा रहा है। बेहतर शिक्षा मुहैया कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। राज्य सरकार झारखंड के सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति के साथ-साथ कपड़ा, किताब-कॉपी और कलम भी देने का काम कर रही है। वहीं, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत राज्य में 9 लाख किशोरियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य है। खुशी की बात है कि इस योजना के दूसरे चरण में 5 दिनों के भीतर बोकारो जिला में 2 हजार किशोरियों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है। दलित-आदिवासी, पिछड़ों के बच्चे विदेशों में पढ़ाई कर सकेंगे। हमारी सरकार ने इन बच्चों के सपनों को पंख देने का काम किया है। राज्य सरकार ने इनका सारा खर्च वहन कर इन वर्गों के बच्चों को विदेशों तक पढ़ाई करने के लिए भेजा है।

स्थानीय उद्योगों में 75% स्थानीय लोगों को मिलेगी नौकरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार गठन के बाद से ही राज्य में नियुक्ति प्रक्रियाओं में तेजी आयी है। जेपीएससी का रिजल्ट ससमय निकाला गया। राज्य में पहली बार फॉरेंसिक लैब के लिए वैज्ञानिकों की नियुक्ति, कृषि पदाधिकारी की नियुक्ति सहित कई नियुक्तियों पर बहाली हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले कुछ दिनों में विभिन्न विभागों में 50 हजार नियुक्ति की स्वीकृति मिल चुकी है। कई नियुक्तियों को लेकर नियमावली बनाई जा रही है। नियमावली बनने के पश्चात राज्य के नौजवानों को विभिन्न पदों पर नौकरी के अवसर प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बोकारो शहर औद्योगिक शहर के रूप में जाना जाता है। राज्य में स्थापित औद्योगिक संस्थानों में होने वाले नियुक्तियों में 75 प्रतिशत नियुक्ति स्थानीय लोगों की हो सके, इस निमित्त राज्य सरकार ने नियम बनाया है। जल्द ही शिविर लगाकर औद्योगिक संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर इस नियम को लागू कराएंगे।

सर्वजन पेंशन योजना लागू करने वाला झारखंड पहला राज्य

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड देश का पहला राज्य है, जहां सर्वजन पेंशन योजना लागू की गई है। सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन के अलावा जरूरतमंदों को लुंगी, धोती, साड़ी, कंबल आदि भी उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों को केसीसी कार्ड से आच्छादित किया जा रहा है। मनरेगा योजना के तहत मजदूर वर्ग के लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए कई विभिन्न योजनाएं (शेष पेज- 5 पर)

– संपादकीय –

आइए, उम्मीदों का दीया जलाएं

अधर्म पर धर्म और अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व दीपावली खुशियों और सुख-समृद्धि का त्यौहार है। ऐसी मान्यता है कि 14 वर्षों के वनवास के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की वापसी पर दीपावली की शुरूआत हुई थी, लेकिन इसके पीछे भी एक गहरा संदेश छिपा है। भगवान श्रीराम के 14 वर्षों का वनवास उतार-चढ़ाव से भरा हुआ था। उन्होंने लोगों की भलाई की खातिर दुनिया को शांति का संदेश देने और अद्वितीय शासनिक व्यवस्था कायम करने की खातिर अपने कष्टदायी वनवास के दौरान खुद को सहज बनाकर दुनिया के सामने एक मिसाल पेश की। यह संदेश देता है कि जीवन के हर क्षेत्र में अंधकाररूपी चाहे कितने ही कष्ट क्यों न हों, कितनी ही चुनौतियां क्यों न आएं, उन्हें दूर करते हुए आगे प्रकाश की ओर बढ़ना चाहिए। यह दिवाली का भी संदेश है। अंधेरे में जब एक दीया जलता है, तो वह दूसरों को राह दिखाने के लिए काफी है। वह सूरज की तरह भले ही नहीं चमकेगा, लेकिन अंधेरे में उम्मीद की एक किरण अवश्य जगाता है। आज देश में ऐसी ही उम्मीद के दीए जलाए जाने की जरूरत है। कुछ अवसरों पर हम देखते हैं कि जीवन में अलग-अलग तरीके से कष्ट आते हैं, लेकिन आज की पीढ़ी, खासकर नौजवान तुरंत ही उम्मीद छोड़ देते हैं। यह गलत है। साहस, संघर्ष और धैर्य के साथ आगे बढ़ना ही असल जिन्दगी है। दिवाली हमारी परंपरा रही है। हम हर परिस्थिति में प्रेम से रहें और जश्न भी उसी परंपरा के साथ मनाएं, जो भगवान श्रीराम ने स्थापित की थी। आज जश्न के साथ टशन भी है। आपसी द्वेष मनमुटाव के अंधकार भी चारों तरफ हैं। इन सभी अंधकारों को प्रेम, सद्भाव और शांतिरूपी दीये जलाकर दूर करने की आवश्यकता है। दीपावली को केवल दीपों का त्यौहार न मानकर दिलों को जोड़ने का अवसर मानने की आवश्यकता है। तभी इस सनातन परंपरा की सार्थकता साबित होगी, अन्यथा पटाखे फोड़ना, बिजली बल्बों की चमक-दमक और सोशल मीडिया पर तरह-तरह के संदेश शेयर करना जैसे कार्य केवल औपचारिकता मात्र ही माने जाएंगे।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

जयदेव कपूर : जिनकी सहनशीलता देख खुद अंग्रेज अफसर भी रह जाते थे दंग

24 अक्टूबर 1908 : जयंती पर विशेष

स्वतंत्रता सेनानी जयदेव कपूर का जन्म 24 अक्टूबर 1908 को उत्तर प्रदेश के हरदोई में हुआ था। उनके पिता का नाम शालिग्राम कपूर और मां का नाम गंगा देवी था। कानपुर के डीएवी कॉलेज में पढ़ाई के दौरान वह एक अन्य क्रांतिकारी शिव वर्मा के साथ हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन में शामिल हो गए। 1925 में जयदेव को बनारस में क्रांतिकारी नेटवर्क विकसित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। ऐसे में, उन्होंने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में बी.एससी पाठयक्रम में प्रवेश ले लिया। वहां भगत सिंह कई दिन तक उनके साथ लिम्बड़ी हॉस्टल में रहे। जयदेव कपूर ने आगरा में बम बनाने का प्रशिक्षण भी लिया था। वह क्रांतिकारियों को बम बनाने की ट्रेनिंग भी देते थे।

एक बार टेस्टिंग के दौरान उनके घर के पास ही बम फट गया था। उनका चंद्रशेखर आजाद से लेकर सभी नामी क्रांतिकारियों के साथ मिलना-जुलना, उठना-बैठना रहता था। साथ ही वे क्रांतिकारी गतिविधियों में पूरी तरह सक्रिय भी रहते थे। उन्होंने ट्रेड डिस्प्यूट बिल और पब्लिक सेफ्टी बिल के विरोध में असेंबली में बम गिराने की घटना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कहा जाता है कि भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त के लिए सेंट्रल असेंबली में बम फेंकने के लिए दाखिल होने की व्यवस्था करने वाले जयदेव कपूर ही थे। बम फेंकने के लिए जाने से पहले भगत सिंह ने अपने नए जूते यह कहते हुए उन्हें दे दिये थे कि पुलिस इसे छीन लेगी लेकिन कम से कम जयदेव कपूर तो इसे पहन सकेंगे। साथ ही भगत सिंह ने एक पॉकेट घड़ी भी उन्हें दी थी।

जानकार बताते हैं कि इन्हें देते हुए भगतसिंह से जयदेव से आजादी की मशाल को जलाए रखने का वचन लिया था। ये कोई आम घड़ी नहीं थी, बल्कि क्रांति के महान क्षणों की गवाह रही थी। ये घड़ी भगत सिंह को महान क्रांतिकारी शचींद्रनाथ सान्याल ने दी थी, जिन्हें ये घड़ी रास बिहारी बोस से मिली थी। जयदेव कपूर ने उन जूतों को स्मृति के रूप में संभाल कर रखा। बम विस्फोट के बाद इस घटना में शामिल सभी क्रांतिकारियों को पकड़कर जेल भेजा जाने लगा। ऐसे में जयदेव को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें अंडमान निकोबार के सेल्यूलर जेल भेज दिया गया जिसे कालापानी के नाम से जाना जाता था।

कहा जाता है कि अंडमान की जेल में उनको 60 दिनों तक रोज सुबह 30 बेंत मार खाने की सजा मिली थी। इस सजा के दौरान जयदेव कपूर धैर्य से काम लेते और उनकी ये सहनशीलता देख अंग्रेज अफसर भी दंग रह जाते थे। अंडमान जेल की सजा के दौरान बदन पर पड़े बेंत के निशान जयदेव के शरीर पर ताउम्र बने रहे। जयदेव ने भगत सिंह और अन्य साथियों से उनके अंतिम समय में मिलने की इच्छा व्यक्त की थी। वे सेल्यूलर जेल में 16 वर्ष रहे और स्वतंत्रता से कुछ वर्ष पहले ही रिहा किए गए। 19 सितंबर 1994 को उनका निधन हो गया। **(साभार : बीओसी)**

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
'सिंक' कार्बन के हैं जंगल
रक्षक जीवन के हैं हर पल
ना हरते ये सिर्फ प्रदूषण
वन हरते मन का भी दूषण।
ये बातें विज्ञान-सिद्ध, वन-
हैं स्रष्टा के प्रयोगशाला, यार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल।

चल जंगल चल, चल जंगल चल
शुद्ध हवा से भर दे जंगल
मन को चंगाकर दे जंगल
चिन्ता सारी दूर भगाए
चित्त शांत कर हमें 'जगाए'
जंगल मंदिर हैं प्रकृति के
जाकर मत्था टेक करें आभार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल।

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जाति नहीं पूछेगा जंगल
धर्म नहीं पूछेगा जंगल
पद क्या है? यह ना पूछेगा
धन कितना है? ना पूछेगा
सबका स्वागत आत्मीयता से-
करता है सबका ही सत्कार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल।

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल में तो घटक बहुत हैं
जाड़े में पर्यटक बहुत हैं
क्षेत्र पर्यटन का निश्चित है
घूमें इसमें, यही उचित है
वाहन में, पर भ्रमण किया तो
रह जाता है वन बहुत उधार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल।

कुमार मनीष अरविन्द

अब आस्था के महापर्व की तैयारी

संवाददाता
बोकारो : दुर्गापूजा के बाद अब आस्था के महापर्व छठ को लेकर चौतरफा तैयारी जोरशोर से चल रही है। बोकारो स्टील प्रबंधन, जिला प्रशासन सहित विभिन्न सरकारी व गैरसरकारी संगठनों ने अपनी ओर से तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने नगर निगम व नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी व सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचलाधिकारी को छठ घाटों की साफ-सफाई व अन्य जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने विधायक बिरंची नारायण, उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक चंदन झा समेत अन्य अधिकारियों ने शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। उनके साथ एसडीओ चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, विशेष कार्य पदाधिकारी विवेक सुमन, चास एसडीपीओ पुरुषोत्तम कुमार, ट्रैफिक डीएसपी पूनम मिंज आदि उपस्थित थे।

विधायक व अधिकारियों ने सेक्टर- 3 के टू-टैंक गार्डन, जगन्नाथ मंदिर, सिटी पार्क, सेक्टर 9 स्थित ऐश पाउंड, गरगा पुल एवं जोधाडीह मोड़ स्थित सोलागीडीह तालाब पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उपायुक्त ने पर्व से पूर्व घाट की अच्छी तरह से साफ-सफाई करने की बात कहीं। अधिकारियों को कहा कि छठव्रतियों और श्रद्धालुओं की किसी भी हाल में कोई असुविधा न हो, इसका पूरा ख्याल रखें।

छठ घाटों की सफाई कराने में जुटा बीएसएल प्रबंधन

सेल द्वारा चलाये जा रहे विशेष स्वच्छता अभियान के तहत तथा छठ पर्व को सुरक्षित बनाने के लिए बीएसएल प्रबंधन की ओर से सभी जनवृत्तों में जलाशयों की सफाई और घाटों का पूरा अनुरक्षण कराया जा रहा है, ताकि जन सामान्य छठ का त्योहार सुरक्षित तरीके से मना सके। बीएसएल द्वारा सेक्टर-4एफ के सूर्य सरोवर, सेक्टर-3 के 2-टैंक गार्डन और सिटी पार्क, सेक्टर-4डी के जगन्नाथ सरोवर, सेक्टर-5ए के अय्यप्पा सरोवर आदि जलाशयों एवं छठ घाटों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुरूचिपूर्ण बनाया जा रहा है। साफ-सफाई एवं अनुरक्षण का कार्य लागातार जारी है, ताकि नियत समय पर इन सभी छठ घाटों को तैयार किया जा सके।

तालाब-नदियों की गहराई होगी चिह्नित, तैनात रहेंगे गोताखोर

उपायुक्त श्री चौधरी ने अधिकारियों से कहा- इस बात का ध्यान रखा जाय कि घाटों पर किसी प्रकार की गंदगी या फिसलन न रहे, क्योंकि इन जगहों पर अर्घ्य हेतु श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा हेतु सभी व्यवस्थाओं को ससमय सुनियोजित तरीके से पूर्ण करने को कहा। उपायुक्त ने अधिकारियों को तालाब व घाटों की गहराई भांपते हुए चिह्नित करने को कहा, ताकि छठव्रती सतर्क रहें। बड़े घाटों पर एनडीआरएफ एवं गोताखोरों की टीम को प्रतिनियुक्त करने और अलर्ट रखने का निर्देश भी दिया।

विडंबना बोकारो थर्मल में समय पर नहीं खुलतीं पीडीएस की दुकानें, लोगों में रोष

5 साल से नहीं मिली राशन की चीनी

कुमार संजय
बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित गोविंदपुर की सभी छह पंचायतों में कुल पीडीएस दुकानों की संख्या आठ है। स्थानीय सभी दुकानें कभी भी समय से नहीं खुलती हैं और समय से पूर्व ही बंद कर दी जाती हैं। दुकानों के असमय खुलने एवं बंद होने को लेकर कई उपभोक्ताओं के द्वारा शिकायत के बावजूद कभी भी कोई कार्रवाई नहीं होती है। कुछ माह पूर्व बेरमो बीडीओ मधु कुमारी ने गोविंदपुर डी पंचायत अंतर्गत जनता नगर के पीडीएस दुकानदार ओमप्रकाश यादव की दुकान का निरीक्षण किया तो उसे बंद पाया था। बेरमो बीडीओ को पंचायत के उपभोक्ताओं के द्वारा शिकायत भी की गयी थी कि महीने में चार से पांच दिन ही दुकान खुली रहती है और उन्हें समय से राशन सामग्री नहीं मिलता है। पीडीएस की दुकानों को खोलने की समय सारिणी सुबह आठ बजे से लेकर दोपहर दो बजे तक है। साथ ही प्रत्येक सप्ताह के सोमवार को अवकाश रहने के कारण दुकान बंद रहती है। गोविंदपुर सी पंचायत अंतर्गत पंकज सिंह की दुकान से उपभोक्ताओं की शिकायत रहती है कि उन्हें राशन उठाव के समय तय वजन से कम राशन दिया जाता है और इसकी जब शिकायत की जाती है तो कोई सुनवाई नहीं होती है।

तीन माह से नहीं मिल रहा है गेंहू

बोकारो थर्मल के सभी छह पंचायतों के पीडीएस उपभोक्ताओं की शिकायत है कि उन्हें दुकान से तीन माह से गेंहू का वितरण नहीं किया जा रहा है। लगातार चावल का ही वितरण किया जाता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि जब दुकानदार से पूछा जाता है तो उनका कहना होता है कि एफसीआई गोदाम में गेंहू नहीं आने के कारण ही चावल का वितरण किया जा रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि सितंबर माह में दुकान से उन्हें जो चावल दिया गया था, वह पानी में भींगा हुआ और सड़ा हुआ था। बावजूद सभी को चावल का वितरण किया गया।

स्थानीय सभी पीडीएस दुकानों में कार्डधारियों के बीच विगत पांच वर्षों से राशन में चीनी का वितरण नहीं किया गया है। पूछने पर कहा जाता है कि चीनी का आबंटन ही नहीं आ रहा है। पीडीएस दुकानदार संजय डे, पियूष डे, एसएन मोदी का कहना है कि अंत्योदय कार्डधारियों को विगत वर्ष 2021 के मार्च अप्रैल में चीनी का वितरण किया गया था। उसके बाद से चीनी का आवंटन नहीं आया है। अत्योदय कार्डधारियों को चीनी आवंटन को लेकर सभी दुकानदारों के द्वारा डेढ़ वर्ष पूर्व उठाव को लेकर ड्राफ्ट लगाने के बाद भी चीनी का आवंटन नहीं दिया गया है।

किरासन का भी उठाव नहीं

उक्त सभी पीडीएस दुकानदारों का कहना है कि किरासन तेल की कीमत प्रतिलीटर 110 रुपये हो जाने के कारण कोई भी उपभोक्ता किरासन तेल लेना नहीं चाहता है, जिस कारण वे लोग भी इसका उठाव नहीं करते हैं। नमक लेने वाले ग्राहकों की भी संख्या नाम मात्र की ही है। पीडीएस दुकानों में समय से और सभी प्रकार के राशन का आवंटन नहीं होने के कारण गरीबों की दीपावली काफी फीकी रहेगी।

'अफसर-कर्मी टॉर्चर करते हैं सर!'

बिजली विभाग पर मनमानी का आरोप, विधायक से मदद की गुहार

संवाददाता
बोकारो : फुसरो बिजली विभाग के अधिकारियों और विभाग में कार्यरत बिजली मिस्त्रियों के द्वारा कथित तौर पर बेवजह जान बूझकर व्यापारियों को बिजली चोरी के झूठे मुकदमे में फंसाने के विरोध में फुसरो के व्यापारी गण बेरमो प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष कृष्ण चांडक के नेतृत्व में बेरमो विधायक कुमार जयमंगल से उनके आवास पर जाकर मिले। इस क्रम में विधायक ने सारी बातें सुनीं और अपनी ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस क्रम में व्यवसायी कृष्ण चांडक ने बताया कि फुसरो में प्रतिदिन बिजली विभाग के द्वारा छापामारी की जाती है और छापेमारी के बाद उसमे से आधे को छोड़ दिया जाता है और आधे पर थाना में एफआईआर दर्ज की जाती है। छापेमारी के बाद अधिकारी अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर देते है। उसके बाद मिस्त्रियों के द्वारा नदी किनारे होटल में बातचीत कर मामले का निष्पादन किया जाता है। बिना चोरी के भी मीटर से बायपास है बोलकर उन्हें ब्लैकमेल किया जाता है। इस संदर्भ में पहले भी स्थानीय अधिकारियों से बात की गई, परंतु कोई नतीजा नहीं निकला। व्यापारियों का भयादोहन जारी है। स्थानीय एक मिस्त्री ने उन्हें भी धमकी देते हुए कहा की आप ज्यादा पैरवी मत कीजिए, वरना आपको भी फंसा देंगे। चांडक ने यह भी बताया एक व्यक्ति का मीटर खराब है, जिसे बदलने का आवेदन भी विभाग को दिया गया है, परंतु वो बदली न कर उसे हर माह का एवरेज बिल दिया जा रहा है, जिसका भुगतान भी नियमित है। उसके बावजूद उनकी बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई।

प्रोत्साहन : डीपीएस चास में मेधा सम्मान समारोह 'उत्कर्ष' आयोजित, 249 विद्यार्थी सम्मानित

बच्चों में दुनिया बदलने की ताकत : डीसी

संवाददाता

बोकारो : अपने मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर उनकी प्रतिभा निखारने के उद्देश्य से डीपीएस चास में मेधा सम्मान समारोह ह्युउत्कर्षह्ल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षा, खेल, अनुशासन, नृत्य, संगीत सहित शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सत्र- 2021-22 के 249 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। उन्हें स्वर्ण पदक, प्रवीणता पुरस्कार, बैज व प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। वहीं, असाधारण प्रदर्शन के लिए 44 विद्यार्थी विशिष्ट पदक से नवाजे गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोकारो के उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं बतौर विशिष्टि अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी बोकारो प्रबला खेस मौजूद रहीं। इनके अतिरिक्त समारोह में डीपीएस चास की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस. मोहन, प्रो-वाइस चेयरमैन एन. मुरलीधरन, डीएस मेमोरियल सोसायटी के सचिव सुरेश कुमार अग्रवाल एवं प्रभारी प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं व समस्त विद्याथी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने डीसी श्री चौधरी ने कहा कि बच्चे असीम संभावनाओं के साथ दुनिया को बदलने की क्षमता रखते हैं। उनके लिए उपयुक्त परिवेश उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति असफल नहीं होता है, बल्कि उसका प्रयास असफल होता है। अपने तरीकों में सुधार लाकर सफलता हासिल की जा सकती है। स्कूल की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता ने कहा कि प्रत्येक बच्चा प्रतिभा-सम्पन्न होता है। डीपीएस चास नई शिक्षा नीति के अनुकूल ही शिक्षा की गुणवत्ता के साथ-साथ सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में भी विद्यार्थियों को कुशल बनाने की संपूर्ण व्यवस्था के साथ प्रयासरत है।

सृष्टि बेस्ट स्कॉलर, तो अनुश्री बनी बेस्ट अचीवर

समारोह में कक्षा 11 के छात्र हेमंत कुमार एवं खुशी कुमारी स्कूल टॉपर घोषित किए गए। कक्षा- 6बी (जमुना) की छात्रा सृष्टि कुमारी तथा कक्षा- 3सी की अनुश्री कुंडू ने क्रमशः 'बेस्ट स्कॉलर' और 'बेस्ट अचीवर' के रूप में चेयरमैन्स गोल्ड मेडल प्राप्त किया। हेड बॉय कक्षा 11 के हेमंत कुमार प्रो-वाइस चेयरमैन गोल्ड मेडल तथा इसी कक्षा की खुशी कुमारी हेड गर्ल के रूप में प्रिंसिपल्स गोल्ड मेडल से सम्मानित की गई। कक्षा- 2बी (जमुना) की छात्रा अग्निमा मुखर्जी को 'ऑल राउंड बेस्ट स्टूडेंट' के रूप में डॉ. हेमलता एस. मोहन ट्रॉफी, सीनियर ग्रुप में 'ऑल राउंड बेस्ट स्टूडेंट' के लिए कक्षा- 6बी की छात्रा अक्षरा कुमारी को एपीजे अब्दुल कलाम ट्रॉफी प्रदान की गई। चेनाब सर्वश्रेष्ठ सदन रहा।

दो साल बाद बाजार फिर गुलजार

संवाददाता

बोकारो : कोरोनाकाल के दो साल बाद इस बार धनतेरस-दिवाली पर बोकारो के बाजार अपनी पुरानी रंगत में लौट चुके हैं। हाट-बाजार एक बार फिर गुलजार दिख रहे हैं। धनतेरस पर बोकारो के उपशहर और मुख्य व्यावसायिक केंद्र चास सहित सिटी सेंटर, राम मंदिर मार्केट आदि में लोगों की खचाखच भीड़ उमड़ी रही। झाड़ू-बर्तन से लेकर लोगों ने सोने-चांदी के जेवर, कार-बाइक के साथ-साथ इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रॉनिक सामान की जमकर खरीदारी की और करोड़ों रुपए का कारोबार हुआ। धनतेरस को लेकर बाजारों में लगभग सभी वाहन शो रूम, सर्राफा दुकान, इलेक्ट्रॉनिक व बर्तन की दुकानों में ग्राहकों की भारी भीड़ देखने को मिली। दिनभर तो छिटपुट खरीदारी हुई, लेकिन शाम होते ही बाजारों में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ने लगी। इसके कारण दोपहिया-

चारपहिया वाहनों की लंबी-लंबी कतारें हर बाजार के समीप देखने को मिली और जाम सी स्थिति बनी रही। बता दें कि दो वर्ष कोरोना महामारी के कारण हर त्योहार का आनंद फीका पड़ गया था। संक्रमण के डर से लोगों की भीड़ नहीं जुट पा रही थी, लेकिन इस बार पुरानी कोर-कसर भी दूर हो गई। ज्वेलरी दुकानों में भी ग्राहकों ने खूब सिक्के व जेवरात की खरीदारी की। वाहन, सराफा, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स इलेक्ट्रिक आदि सभी दुकानों व प्रतिष्ठानों में ग्राहकों की भीड़ देर रात तक लगी रही।

हिदायत गोमिया के स्वांग में आपकी योजना, आपकी सरकार कार्यक्रम आयोजित

जनसमस्या-समाधान में कोताही न बरतें : डॉ. लंबोदर

संवाददाता

गोमिया : गोमिया प्रखण्ड की स्वांग दक्षिणी पंचायत सचिवालय के समक्ष हजारी, स्वांग दक्षिणी और स्वांग उत्तरी पंचायत के ग्रामीणों के लिए शनिवार को आपकी योजना आप की सरकार आप के द्वार कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। यहां गोमिया विधायक डॉ. लम्बोदर महतो, जिला परिषद सदस्य डॉ. सुरेंद्र राज, आकाश लाल सिंह, प्रखण्ड प्रमुख प्रमिला चौड़े, बीडीओ कपिल कुमार, सीओ संदीप अनुराग टोपनो, स्वांग उत्तरी पंचायत के मुखिया विनोद विश्वकर्मा, स्वांग दक्षिणी की मुखिया रीना सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम में ग्रामीणों की सहूलियत के लिए सभी विभागों के स्टॉल लगाए गए थे। विधायक डॉ. महतो ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया और लाभुकों के बीच पेंशन सहित कई योजनाओं का स्वीकृति पत्र का वितरण किया। जरूरतमंद ग्रामीणों ने अधिकारियों से अपनी अपनी समस्याएं को लिखित आवेदन देकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

विधायक ने जनसमस्याओं के समाधान की दिशा में अधिकारियों से कोताही नहीं बरतने को कहा। इस क्रम में कई मामलों का समाधान ऑन द स्पॉट ही कर दिया गया। बाल विकास परियोजना विभाग के द्वारा चलाई जा रही योजना सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना की जानकारी सीडीपीओ अलका रानी के द्वारा ग्रामीणों को दी गई व आवेदन लिए गए।

मौके पर प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. सुरेश कुमार, टीवीओ डॉ. पूनम, आजसू के केंद्रीय सचिव राजेश विश्वकर्मा, विधायक प्रतिनिधि विपिन कुमार, श्रमिक मित्र मनोज सिंह, 20 सूत्री अध्यक्ष लुदु मांझी, जनसेवक धनपत कुमार, नरोत्तम कुमार, पूर्व मुखिया धनंजय सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

हफ्ते की हलचल

बच्चों को सभ्यता-संस्कृति से अवगत कराना जरूरी : अमरदीप

बोकारो : प्राथमिक विद्यालय को-आपरेटिव कालोनी में दिवाली उत्सव के उपलक्ष्य में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के कुमार अमरदीप ने बच्चों को दिवाली की महत्ता बताई। उन्होंने कहा कि हमारे देश की सभ्यता व संस्कृति समृद्ध है। विद्यार्थियों को इससे अवगत कराना जरूरी है। इसलिए विविध कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को देश की सभ्यता व संस्कृति से जोड़ने की दिशा में सकारात्मक काम किया जाता है। उन्होंने बच्चों को सफाई के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की। दीपावली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। प्राचार्य अलका कुमारी ने कहा कि इस दिन व्यवसायी माता लक्ष्मी व भगवान गणेश का पूजन करते हैं। लोग आपस में खुशियां बांटते हैं। बच्चों को पटाखा नहीं जलाना चाहिए। इससे पर्यावरण प्रदूषित होता है। इस दौरान स्कूल प्रबंधन समिति के कुमार अमरदीप ने विद्यार्थियों को मोमबत्ती व उपहार प्रदान किया। मौके पर मनोज कुमार, मो.जाफर, साबिया खातून, कविता देवी, बेबी देवी, कंचन देवी, संजू देवी, जूली देवी, पूनम देवी, आरती देवी आदि उपस्थित थे।

रचनात्मकता मेले में बच्चों ने दिखाई कुशल प्रतिभा

बोकारो : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में रचनात्मक गुणों के विकास के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो में विज्ञान व कला प्रदर्शनी आयोजित की गई। जॉय ऑफ इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी नामक रचनात्मकता के इस मेले में बच्चों ने कला और विज्ञान की विभिन्न विधाओं में अपने प्रदर्श प्रस्तुत किए। विज्ञान व रोबोटिक्स से जुड़े अपने मॉडलों में विद्यार्थियों ने अपनी नवोन्मेषी सोच को मूर्त रूप में प्रस्तुत कर अपनी कुशल प्रतिभा का परिचय दिया। रडार, टोल टैक्स सिस्टम, क्लैपिंग हैंड्स, ब्लैक लाइन फ्लावर रोबोट, ड्राइंग मशीन, अंधों के लिए चश्मा, अवरोध सूचक और अंधेरे का पता लगाने वाले मॉडलों का प्रदर्शन किया। इंस्पायर अवार्ड- मानक के लिए चयनित बच्चों द्वारा प्रस्तुत गर्ल सेफ्टी कॉलिंग मशीन, एंटी शेकिंग स्पून आदि का प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहा। डीपीएस बोकारो द्वारा संचालित निःशुल्क महिला सशक्तिकरण केंद्र कोशिश की प्रशिक्षुओं ने मोमबत्ती, दीया की विशेष प्रदर्शनी लगाई। विद्यालय का कोना-कोना सुंदर दीयों, रंगोली और फूलों की साज-सज्जा से आकर्षक बना रहा। विद्यालय के प्राचार्य ए. एस. गंगवार ने बच्चों के नवोन्मेषी कौशल की सराहना करते हुए उन्होंने और बेहतरी के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया।

पूर्व सैनिकों ने दीपोत्सव से सपूतों को दी श्रद्धांजलि

बोकारो : सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने कार्यों की कड़ी में शनिवार को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की बोकारो इकाई के सदस्यों ने इस बार भी धनतेरस पर एक दीया शहीदों के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। चास के सोलागीडीह स्थित वृद्ध सेवा आश्रम के सभी अभिभावकों के साथ इसका आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व सैनिकों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े व अन्य कई लोग शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में आश्रम से जुड़े स्वयंसेवक रंजीत, रेझा, दीपाली, लक्ष्मी, हीरालाल महतो, राजेश गोप, समेत परिषद् के प्रान्तीय उपाध्यक्ष दिनेश्वर सिंह, प्रान्तीय सचिव राकेश मिश्रा, मनोज कुमार झा, राजहंस, बिनय, एस के सिंह, जिला मंत्री संजीव कुमार, राजीव रंजन सिन्हा, अमित, देव प्रकाश, परमहंस, मुकेश, मनीष चंचल, सरयू शर्मा एवं अन्य उपस्थित नागरिकों का महती योगदान रहा।

संगीतज्ञ रघुवीर पाठक की याद में संगीत संध्या आयोजित

बोकारो : वरिष्ठ संगीतज्ञ स्वर्गीय पं. रघुवीर पाठक की याद में आदर्श को-ऑपरेटिव कॉलोनी में संगीत संध्या का आयोजन किया गया। वरिष्ठ तबला वादक पंडित बच्चन महाराज के संयोजन में 'संगीत सम्राट स्वर्गीय पं. रघुवीर पाठक अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन' के नाम से आयोजित इस संगीत कार्यक्रम में उदीयमान से लेकर स्थापित कलाकारों ने गायन, वादन व नृत्य प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को आनंदित किया। कार्यक्रम में बोकारो के पुलिस अधीक्षक चंदन झा की पत्नी दीप्ति कुमारी ने शास्त्रीय शैली में ठुमरी, कजरी व महाकवि विद्यापति रचित भगवती वंदना 'जय-जय भैरवि असुर भयाउनि.. ' की सुमधुर प्रस्तुति की। बोकारो स्टील प्लांट की शिक्षा पदाधिकारी प्रभा मोहनन नायर ने कर्नाटक शैली में शास्त्रीय गायन, गायक दीप नारायण गोस्वामी, उमेश कुमार झा, मिलन गोस्वामी ने शास्त्रीय व सुगम संगीत, चंद्र कान्त शर्मा,अमरजी सिन्हा ने गजल सुनाए।

राष्ट्रीय एकता व स्वच्छता अभियान को ले केंद्रीय संचार ब्यूरो ने बढ़ाए महत्वपूर्ण कदम

धनबाद व रांची चित्र प्रदर्शनी व सांस्कृतिक कार्यक्रमों से दिया जागरूकता का संदेश

संवाददाता

धनबाद : राष्ट्रीय एकता-अखंडता और स्वच्छता अभियान को लेकर केंद्रीय संचार ब्यूरो ने एक और अहम कदम बढ़ाया। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में जागरूकता कार्यक्रमों की कड़ी में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की स्थानीय इकाई केंद्रीय संचार ब्यूरो, धनबाद द्वारा स्वच्छ भारत अभियान 2022 और सरदार पटेल के जन्मोत्सव 'एकता दिवस' (31 अक्टूबर) के उपलक्ष्य में आयोजित दो-दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। समापन समारोह में डीपीआरओ, धनबाद ईशा खंडेलवाल मुख्य अतिथि रहीं। वहीं नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी रवि मिश्रा और झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय की प्राचार्या विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन धनबाद सांसद पशुपतिनाथ सिंह व सदर विधायक राज सिन्हा ने किया था। इस प्रदर्शनी में बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा खुलकर सामने आई। बच्चों ने अपने चित्रों के जरिए आजादी के अमृत महोत्सव और स्वच्छ भारत मिशन की सुंदर झलक दिखाकर सबकी भरपूर सराहना पाई।

भूले-बिसरे सेनानियों की कहानियां जानने का सुनहरा अवसर : डीपीआरओ

अपने संबोधन में धनबाद की जिला जनसंपर्क अधिकारी (डीपीआरओ) ईशा खंडेलवाल ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनी धनबाद में लगाना केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा एक बहुत ही सराहनीय प्रयास है। यह हमें आजादी की विरासत के भूले-बिसरे सेनानियों और उनकी कहानियां फिर से जानने का एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने बच्चों को आने वाले आजादी के 100 वर्ष के समारोह अमृत काल को अपना बनाने एवं सफल होने की कामना की। उन्होंने प्रदर्शनी के दौरान जीते प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जनजागरूकता में केंद्रीय संचार ब्यूरो का अहम योगदान : रवि

नेहरू युवा केन्द्र के रवि मिश्रा ने केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से इस आयोजन को जनजागरूकता में एक अहम योगदान बताया। पीएम ने आगामी 100 वर्ष आजादी के अमृत काल के रूप में मनाने को कहा है। यह प्रदर्शनी अगले 25 वर्षों में आने वाले अमृत काल की दिशा में एक सफल पहल है।

जागरुकता रथ से दिया स्वच्छता का संदेश

इस अवसर पर विभाग द्वारा स्वच्छता पर संदेश देने से साथ साथ अमृत महोत्सव पर दो दिनों तक जागरूकता रथ भी चलाया गया और स्वच्छता पर बालिका विद्यालय में सफाई अभियान और स्वच्छता रैली भी निकाली गई। इस दो दिवसीय कार्यक्रम को संपन्न कराने में विभाग के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी ओंकार नाथ पाण्डेय एवं सहायक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी राज किशोर पासवान की महती भूमिका रही।

गीत-नृत्य से बच्चों ने बांधा समां

इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं और नृत्य, गीत आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों में डीएवी स्कूल कोयला नगर, झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय, कोला कुसुमा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय, कोला कुसुमा और सीसीडब्ल्यू कोलवाशरी मध्य विद्यालय के बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी विजेताओं को विभाग ने अतिथियों ने पुरस्कृत किया।

इधर, रांची में विभिन्न विषयों पर लगाई फोटो प्रदर्शनी

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो रांची द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव, स्वच्छता, राष्ट्रीय एकता दिवस, फिट इंडिया, एक भारत श्रेष्ठ भारत विषयों पर प्लस टू जिला हाई स्कूल हजारीबाग के प्रांगण में तीनदिवसीय आजादी का अमृत महोत्सव फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। देश की आजादी के महान स्वतंत्रता सेनानियों एवं गुमनाम नायकों को याद करने के अलावा उक्त विषयों के साथ-साथ केंद्र सरकार द्वारा आठ साल में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के लिए किये गए कार्यों से आम जनता को परिचित कराने के उद्देश्य से इस फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न कार्यक्रमों में चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण, प्रश्नोत्तरी , खेलकूद सहित अन्य गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

केंद्रीय संचार ब्यूरो का प्रयास सराहनीय : सांसद

इस अवसर पर बोलते हुए हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से जानकारी भरे चित्र प्रदर्शनी का आयोजन एक अत्यधिक सराहनीय प्रयास है। विभिन्न ज्ञानवर्धक जानकारियों से लैस यह प्रदर्शनी भारत के अतीत वर्तमान और भविष्य की कल्पना का एक बहुत सुंदर चित्रण करती है। कार्यक्रम और प्रदर्शनी के दिनों में केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को भी पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रदर्शनी के सफल आयोजन के लिए क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी सह कार्यालय प्रमुख शाहिद रहमान ने सबका आभार व्यक्त किया।

सीतामढ़ी में अभिभावकों की मदद से शिक्षा का स्तर सुधारने को ले उठाए कदम

सीतामढ़ी : सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर सुधारने को लेकर सीतामढ़ी के जिला शिक्षा पदाधिकारी अवधेश प्रसाद सिंह ने सराहनीय पहल की है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा-व्यवस्था को लेकर जिले के विभिन्न प्रारंभिक स्कूलों में श्री सिंह के निर्देशन में अभिभावक-शिक्षक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके जरिए अभिभावकों ने सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर सुधारने को लेकर अपने महत्वपूर्ण विचार दिए। गोष्ठी में सभी स्कूल के कक्षा 1 में अध्ययनरत बच्चों के अभिभावकों को आमंत्रित कर बुलाया गया था। इस दौरान स्कूलों में चहक मॉड्यूल के तहत गतिविधियों के साथ स्कूल किट, चिल्ड्रन किट व पुस्तकालय के लिए उपलब्ध कराए गए पुस्तक के बारे में अभिभावकों को जानकारी दी गई। स्कूल में आने वाले बच्चे व अभिभावकों को फूल देकर स्वागत किया गया। नगरपालिका मध्य विद्यालय में आयोजित अभिभावक-शिक्षक गोष्ठी में पहुंचे डीईओ अवधेश प्रसाद सिंह ने बच्चों व अभिभावकों को प्रोत्साहित करते हुए बुनियादी शिक्षा के बारे में जानकारी दी। कहा कि साल 2026 तक बुनियादी साक्षरता व अक्षर ज्ञान प्राप्त करना है। इस अभियान के तहत चहक मॉड्यूल को प्रभावी रूप से स्कूलों में लागू किया जा रहा है। कहा कि जिले के 2065 स्कूलों में यह गोष्ठी आयोजित की गइ। मुख्यालय डुमरा स्थित मध्य विद्यालय मलिकाना, आदर्श राजकीय मध्य विद्यालय खरपट्टी, बोखड़ा प्रखंड में भी सभी 32 मध्य विद्यालय प 43 प्राथमिक विद्यालयों में बुनियादी साक्षरता एवम संख्या ज्ञान (एफएलएन) निपुण बिहार मिशन अंतर्गत अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी के क्रियान्वयन के लिए किया गया। डुमरी कटसरी प्रखंड क्षेत्र के राजकीय मध्य विद्यालय नयागांव गोट में गीत, नृत्य कला के माध्यम से बच्चे को जानकारी दी गई। सोनबरसा प्रखंड के सभी प्राथमिक विद्यालयों में भी अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

दरभंगा में बुलंद हुए अपराधियों के हौसले

दरभंगा : जिले में इन दिनों अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते दिख रहे हैं। मारपीट, छिनतई के अलावा चोरी और लूट-खसोट की घटनाओं मे जिस कदर इजाफा हो रहा है, वह लोगों के लिए दहशत और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान माना जा रहा है। जिले के बरेटा कॉलोनी निवासी व ठेकेदार विपिन कुमार सिंह उर्फ माधव सिंह के घर चोरों ने धावा बोलकर एक लाइसेंसी रिवाल्वर, 17 गोली और करीब 15 लाख रुपए से अधिक के सामान की चोरी कर ली। चोरों ने खिड़की खोल घर में प्रवेश किया एवं एक घर में रखा 1 रिवॉल्वर, 17 गोली, करीब 8 से 10 लाख के आभूषण एवं करीब 5 लाख रुपए की चोरी कर ली। इसके पूर्व, मनीगाछी थाना क्षेत्र के सकरी बाजार में कारी झा मार्केट स्थित संगम मोबाइल दुकान का शटर तोड़कर चोरों ने लाखों रुपए के मोबाइल फोन एवं अन्य सामान की चोरी कर ली। थाना क्षेत्र के राघोपुर गांव निवासी दुकानदार सुभाष कुमार ने बताया कि देर शाम दुकान बंद कर वे अपने घर चले गए। सुबह जब दुकान पहुंचे तो शटर टूटा हुआ था।

मिथिला डायरी

पेज- 1 का शेष

एसी कमरों से ....

संचालित की गई हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से पशुधन से जुड़ाव की भी अपील की। कार्यक्रम के प्रारंभ में अपने स्वागत संबोधन के दौरान डीसी कुलदीप चौधरी ने 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' के तहत बोकारो जिला में सरकार के निर्देशानुसार सभी पंचायतों में तिथिवार शिविरों के आयोजन को ले जानकारी दी।

इन्होंने भी रखे विचार : इस अवसर पर श्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग के मंत्री सत्यानंद भोक्ता, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री जगरनाथ महतो, गोमिया विधायक लम्बोदर महतो, बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह ने भी अपने विचार रखे। मौके पर सांकेतिक रूप से विभिन्न योजनाओं से आच्छादित 30 लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण मुख्यमंत्री एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल विजेता तीरंदाज खिलाड़ी गोल्डी मिश्रा को भी मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

बोकारो पीआरडी की पुस्तक का विमोचन : इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित मंत्रियों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों की मौजूदगी में बोकारो पीआरडी द्वारा तैयार की गई पुस्तक विकास के तीन साल... 2022 उपलब्धियों की झलक नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डीडीसी कीर्ति श्री ने किया।

दीपावली- निराशा पर आशा का विजय-पर्व

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

हम सबको इस दीपावली महापर्व की पूरे वर्ष भर प्रतीक्षा रहती है। बहुत अद्भुत त्यौहार है। हम सबको इस महापर्व की पूरे वर्ष प्रतीक्षा रहती है। श्रेष्ठ और नए वस्त्र धारण करते हैं, घर में दीपक जलाते हैं, श्रेष्ठ मिष्ठान्न ग्रहण करते हैं और महालक्ष्मी के साथ-साथ गणपति का भी पूजन करते हैं, घर में भी, अपने व्यापार स्थान में भी, जिससे पूरे वर्ष गणपति और महालक्ष्मी की कृपा पूरे परिवार पर बनी रहे, व्यापार में वृद्धि होती रहे। वास्तव में यह जो दीपावली पर्व है, इसे उत्सव के रूप में मनाने का कारण बहुत गहरा है और जो गहरा है, वह गंभीर भी होगा।

दीपावली क्या है? दीपावली पर्व निराशा पर आशा का विजय पर्व है। दीपावली पर्व प्रकृति के अंधकार पर मनुष्य द्वारा प्रकाश को स्थापित करने का पर्व है और मनुष्य यह घोषणा करता है कि हां! मैं प्रकाश का साम्राज्य स्थापित कर रहा हूं। ... और लक्ष्मी के साथ-साथ गणपति का पूजन क्यों? गणपति का पूजन इसलिए कि नए-नए उद्देश्य व संकल्प को फल श्रुति तक हम ले जाएं। यह संकल्प है कि हे गणपति देव! हमारे सारे कार्य निर्विघ्न रुप से संपन्न हों। इसलिए कहा गया है कि

निर्विघ्नम कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा...

दीपावली पर्व कर्म और फल के बीच चल रहे संघर्ष में बिना हार पाए निरंतर और निरंतर आगे बढ़ने का निश्चय करने का पर्व है। दीपावली सही रूप में कर्म योग का पर्व है और लक्ष्मी का पूजन दीपावली के दिन तंत्र के वाम मार्ग का अनुगमन है। उस शक्ति को, लक्ष्मी को नमन है, जिससे जीवन के सारे मनोरथ पूर्ण होते हैं।

आपके मन में विचार आएगा कि शक्ति का पूजन का पर्व तो नवरात्रि है, दीपावली क्यों? कुछ बातें जान लीजिए और समझ लीजिए। समझना आवश्यक है। नवरात्रि है शक्ति पर्व। 9 दिनों तक हम निरंतर शक्ति साधना, शक्ति पूजन संपन्न करते हैं, पर इसके साथ ही यह भी सत्य है कि शक्ति पर्व में क्या हुआ था? असुरों का संहार हुआ। दुर्गा सप्तशती में विस्तार से वर्णन है कि इस काल में दुर्गा ने महिषासुर चण्ड- मुण्ड, धूम्रलोचन, शुंभ-निशुंभ का अंत किया, पर एक बात यह भी है कि जब युद्ध होता है तो युद्ध की विभीषिका में अच्छे और बुरे दोनों का नुकसान होता है, हानि होती है। जैसे आगे महाभारत में हुआ। कौरव तो समाप्त हुए, लेकिन पांच पांडवों को भी भारी हानि उठानी पड़ी, तो जब युद्ध का विष भारी हो जाता है तो अमृत मंथन होता है। अपने जीवन-युद्ध की तीव्र ज्वाला में झुलसने लगते हैं तो उस ज्वाला की शांति के लिए हमें अपने भीतर ही अमृत को खोजना पड़ता है। उसे मथकर अपने भीतर से निकालना पड़ता है कि आपका विष समाप्त हो और आपके शरीर में अमृत स्थापित हो। यही दीपावली का पर्व है, जिसमें लक्ष्मी वामा रूप में साधक के साथ-साथ हैं।

स्त्री शक्ति से साधनाओं में सिद्धि

जिस प्रकार वे वाम रूप में भगवान विष्णु की शोभा हैं, इसलिए उन्हें वामा कहा गया है। बहुत से साधक यह रहस्य जानते हैं कि तंत्र के वाम मार्ग में स्त्री शक्ति से अनुप्राणित होकर ही साधनाओं में सिद्धि प्राप्त होती है। ठीक उसी प्रकार जीवन तंत्र में भी, जीवन पद्धति में भी जब पराजय आपको चारों ओर से घेरने लगे, बाधाएं चारों ओर से घेरने लगे, तब यही समय है कि हमें अपने भीतर अमृत स्थापित करना ही है, यह आवश्यक है। सब जानते हैं कि लक्ष्मी का उद्भव अमृत मंथन से हुआ।

अमृत मंथन की आवश्यकता

अमृत मंथन की आवश्यकता है क्यों पड़ी? मत्स्य पुराण में अच्छा विवेचन आया है कि देवासुर संग्राम हुआ, देव और असुर, दिति पुत्र और अदिति पुत्र में लड़ाई होती रहती थी। असुर-सुर दोनों मृत्यु को प्राप्त होते थे, पर असुरों के गुरु शुक्राचार्य हैं। शुक्राचार्य के पास मृत संजीवनी विद्या थी, जिसके माध्यम से वे असुरों को पुनर्जीवित कर देते थे और सुर युद्ध में मरकर समाप्त हो जाते। यह सब देखकर देव गुरु वृहस्पति चिंतित हो गए। विचार करने लगे कि ऐसे तो संसार में असुरों का साम्राज्य स्थापित हो जाएगा। इसके लिए क्या उपाय है? एक ही उपाय है अमृत प्राप्त करना। अब अमृत कैसे प्राप्त हो, उपाय हुआ कि क्षीर सागर में मंथन किया जाए। यह तो एक कथा है।

जब इन्द्र श्रीविहीन हुए

इसके साथ-साथ एक और कथा है कि इन्द्र ने लक्ष्मी को खो दिया। इन्द्र ने दुर्वासा का अपमान किया, दुर्वासा ने शाप दे दिया और इंद्र 'श्री विहीन' हो गए। उसके कारण लक्ष्मी अर्थात 'श्री' क्षीर सागर में समा गईं और बिना लक्ष्मी के स्वर्ग का, पृथ्वी का वैभव समाप्त हो गया। पुनः लक्ष्मी को प्राप्त करने के लिए क्षीर सागर का मंथन करना ही पड़ेगा और यह काम बहुत बड़ा था, महान था। इस कार्य के लिए असुरों का भी सहयोग लेना था। असुरों के राजा बली थे, वह भी तैयार हो गए। सुर-असुर साथ हुए और मंथन प्रारंभ हुआ। सबसे पहले कालकूट विष निकला, अप्सरा, गंधर्व, उच्चैश्रवा, एरावत, पारिजात वृक्ष, मनोकामना पूर्ण करने वाली सुरभि गो अर्थात कामधेनु, वारुणी, चंद्रमा, फिर श्रीहरि की पत्नी तुलसी और द्वादशी को प्रातः लक्ष्मी प्रकट हुईं, 'श्री' प्रकट हुईं, जिस दिन भगवान विष्णु का वरण किया और सबसे अंत में त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरी अमृत कलश लेकर प्रकट हुए।

अब कालकूट विष को तो भगवान शिव ने ग्रहण कर लिया, लेकिन अमृत के लिए हो-हल्ला मच गया। तब फिर भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से माया चलाई और अमृत को देवताओं के लिए आरक्षित करना पड़ा। इस प्रकार देवताओं को अमृत मिल गया और विष्णु के पास लक्ष्मी आ गईं।

तो यह लक्ष्मी जो हैं, हर काल में, हर युग में विष्णु का ही वरण करती हैं। लक्ष्मी के भी अनेक नाम हैं- उमा, रमा, ब्रह्माणी, 10 महाविद्याओं में उनका नाम है कमला, तो उनका स्मरण हरि, विष्णु, ईश्वर सब करते हैं, क्योंकि लक्ष्मी के बिना सृष्टि में सब कुछ शून्य है और लक्ष्मी चाहे विष्णु के साथ ही स्थापित हों, लेकिन मूल तिजोरी की चाबी है लक्ष्मी के पास। अब आप चित्रों में देखते हो कि लक्ष्मी विष्णु के चरण दबा रही हैं तो यह देखकर खुश मत हो जाना। वास्तविक सत्य कुछ और ही है। आप लक्ष्मी की आरती में क्या गाते हो?

हे लक्ष्मी माता! तुमको निशदिन सेवत हरि विष्णु धाता...

क्योंकि विष्णु भी ध्यान करते हैं लक्ष्मी का। आरती में गाते हो आप कि हे लक्ष्मी!

तुम बिन यज्ञ न होते वस्त्र न हो पाता,
खान पान का वैभव सब तुम से आता
जय लक्ष्मी माता...!

पुरुषार्थ के बिना भाग्य अधूरा

तो हमारे इस संसार के पालनहार हैं विष्णु और पालनहार को भी जगत को चलाने के लिए लक्ष्मी चाहिए, धन चाहिए और धन है लक्ष्मी के पास। इसलिए, लक्ष्मी द्वारा चरण दबाने की छवि को पूर्णतया सत्य मत मान लेना। जगत की तिजोरी की चाबी तो लक्ष्मी के पास ही है और दीपावली की रात्रि को लक्ष्मी क्या करती हैं? लक्ष्मी भाग्य और पुरुषार्थ के बीच में चयन करती हैं। मैं आज आपको स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि आपके भीतर जीवन का पुरुषार्थ आपका भाग्य है और इस जीवन में किया गया पुरुषार्थ आपका सौभाग्य है। इस बात को आप हृदय में उतार लेना। भाग्य आपका कितना ही साथ दे, पुरुषार्थ के बिना भाग्य अधूरा है, गूंगा-बहरा है। क्योंकि, स्पष्ट कहा गया है कि उद्यम से ही कार्य सिद्ध होता है, केवल मनोरथ करने से कार्य सिद्ध नहीं होता है।

देवताओं को अमृत चाहिए, इन्द्र को लक्ष्मी तो अमृत मंथन करना ही पड़ा। मंथन से लक्ष्मी मिलीं, अमृत मिला तो दीपावली हम मनाते हैं अमावस्या की रात्रि। अमावस्या की रात्रि कालकूट विष के अंधेरे का प्रतीक है और यह कालकूट विष किसी भी लक्ष्य को पाने से पहले बाहर ऊपर आता है। हर युग में, हर काल में विष को शिव ग्रहण करते हैं, सिर्फ शिव ही, हर युग में। ... और यह शिव हर युग में, हर काल में साधक के पास अवश्य होते हैं। अर्थात गुरु के रूप में वह आते हैं और शिष्य का विष ग्रहण करते हैं। गुरु गीता में श्लोक है-

यो गुरु स शिवः प्रोक्तो, यः शिवः स गुरुस्मृतः

जो शिव हैं, वे गुरु रूप में जगत में आते हैं। ... और दीपावली अर्थात अमावस्या की रात्रि को मनुष्य दीप प्रज्वलित करता है और यह घोषणा करता है कि मैं अपने जीवन में अमृत को निकालने के लिए प्रतिबद्ध हूं और गणपति का पूजन कर वह अपने नए-नए संकल्पों को भगवान गणपति को सौंप देता है और महालक्ष्मी का पूजन कर उन्हें अपने घर में, अपने व्यापार स्थल में आमंत्रित करता है। क्योंकि, लक्ष्मी जब विष्णु के वाम में आती हैं तो विष्णु पालनहार बन जाते हैं। लक्ष्मी का स्वरूप इंद्राणी जब इन्द्र के वाम भाग में सजती हैं, तब वह बन जाते हैं स्वर्ग के सम्राट और जब आपके वाम भाग में गृहलक्ष्मी सजती हैं, तब आप आर्य संतान का श्रेष्ठतम उदाहरण रूप बन जाते हैं कि मुझे अपने पुरुषार्थ से सौभाग्य को प्राप्त करना है।

यह सौभाग्य बड़ा ही सुन्दर शब्द है। शुभम से बना है सौभाग्य। शुभम का अर्थ है- सुन्दर। तो सौभाग्यशाली वह है, जिनके कर्म सुन्दर हों। सुन्दर वही है, जो सुन्दर कर्म करता है और यही कहती है दीपावली कि श्रेष्ठ कर्म करो, अमृत का मंथन करो, विष से मत घबराओ। यह कहती है दीपावली कि तुममें इन्द्र बनने की क्षमता है, तुम्हें अपनी लक्ष्मी को पाने के लिए पुरुषार्थ के द्वारा बार-बार मंथन करना पड़ेगा।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

ऑनलाइन बाल यौन शोषण- एक घिनौना अपराध

अभिव्यक्ति

- आरके शुक्ला -
पूर्व निदेशक, सीबीआई।

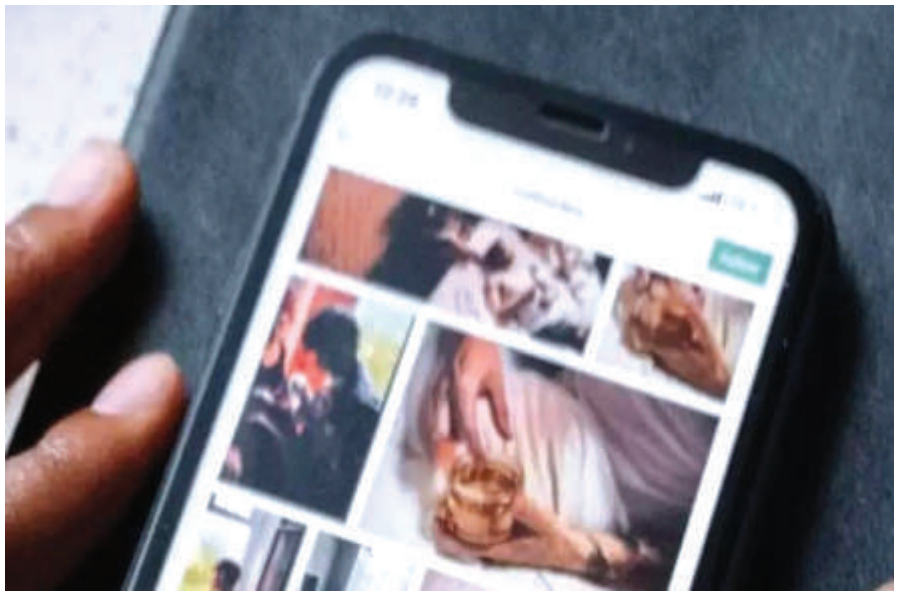

निरंतर वैश्विक तकनीकी-मंथन से अमृत और विष दोनों निकले हैं। हमने खुशी के साथ अमृत का स्वागत किया है, लेकिन हाइड्रा जैसे विभिन्न सिर वाला विष, गंभीर और तत्काल चिंता का विषय है। अपराध को, आम तौर पर, अब वैश्विक नेटवर्क के सहारे अंजाम दिया जा रहा है- नशीली दवाओं की तस्करी, मानव तस्करी, आतंकवाद, बाल शोषण आदि की कोई भौगोलिक सीमा नहीं है। लेकिन, सबसे भयावह, घृणास्पद, क्रूर और घिनौना अपराध है- ऑनलाइन बाल यौन शोषण। दुःख की बात है कि यह तेजी से बढ़ रहा है, गुप्त रूप में तथा कपटपूर्ण और गुमनाम तरीके से।

एक अपमानजनक सच्चाई यह है कि तस्वीरें और वीडियो अनगिनत हैं, जो अक्सर क्षति न पहुंचानेवाले कवर के तहत होते हैं तथा ये इंटरनेट से जुड़े सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर सोशल नेटवर्किंग और संबद्ध वेबसाइटों के जरिये उपलब्ध हैं। कूट भाषा नेटवर्क, इन विकृत अपराधियों का व्यावहारिक रूप से पता लगाना मुश्किल बनाते हैं। इस अत्यधिक हानिकारक खतरे को दशार्ने के लिए 'चाइल्ड पोर्न', 'किड पोर्न' या 'पोर्नोग्राफी' आदि शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। प्रत्येक तस्वीर या वीडियो के पीछे, एक वास्तविक बाल पीड़ित है, वास्तविक शोषण है और एक अपराध है। इस तरह की सामग्री का निरंतर निर्माण व वितरण नए और अधिक खुले तस्वीरों की मांग को बढ़ावा देता है, जिससे नए बच्चों के साथ दुर्व्यवहार का चक्र चलता रहता है। ऑनलाइन बाल यौन शोषण के खिलाफ हमारे बच्चों को बचाने की लड़ाई बहुआयामी है, जिनमें उल्लंघन का अपराधीकरण, रोकथाम, सक्रिय पहचान, आपराधिक जांच, प्रसार पर अंकुश लगाना, पीड़ित की पहचान/पुनर्स्थापन और अपराधी पर मुकदमा चलाना शामिल हैं।

ऑनलाइन स्वीकार्य व्यवहार क्या है और क्या नहीं है- इंटरनेट तक पहुंच रखने वाले किसी भी बच्चे को, इसके बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। हमें अपने बच्चों को कई उन विकृत व्यवहारों और खतरनाक स्थितियों के बारे में शिक्षित करना होगा, जो उनके सामने ऑनलाइन आ सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ऐसी सामग्री का सक्रिय रूप से पता लगाने और उसे प्रतिबंधित करने के लिए नियम व तौर-तरीके विकसित कर रहे हैं। ये निश्चित रूप से समाधान का हिस्सा हैं, लेकिन अपराध की जांच और अभियोजन का महत्व हमेशा की तरह महत्वपूर्ण है।

भारत, दुनिया में बच्चों की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में एक है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में अठारह वर्ष से कम उम्र के 472 मिलियन बच्चे हैं, जिनमें से 225 मिलियन लड़कियां हैं। भारत में डिजिटल पहुंच भी तेजी से बढ़ रही है। इससे अपराध होने की संभावना बढ़ जाती है।

भारत में, आईटी अधिनियम और पॉक्सो के माध्यम से ऑनलाइन बाल यौन शोषण को अपराध की श्रेणी में रखा गया है। पॉक्सो बच्चों को सर्वाधिक महत्व देता है और इसके लिए बच्चों के सम्बन्ध में अनुकूल रिपोर्टिंग, साक्ष्य को रिकॉर्ड करना, जांच करना और विशेष न्यायालयों के माध्यम से अपराधों के त्वरित परीक्षण के लिए एक मजबूत कानूनी फ्रेमवर्क प्रदान करता है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) पोस्को कार्यान्वयन की स्थिति की निगरानी करता है।

भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियां, इंटरपोल और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सक्रिय संपर्क के माध्यम से, ऑनलाइन बाल शोषण के खिलाफ लड़ाई के लिए प्रतिबद्ध हैं। सामग्री को रोकने और जानकारी साझा करने के अलावा, अपराधों की जांच को भी उच्च प्राथमिकता दी जाती है। सीबीआई ने ऑनलाइन बाल यौन शोषण सामग्री के बारे में जानकारी एकत्र करने, मिलान करने, जांच करने और इसे बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए एक समर्पित प्रकोष्ठ की स्थापना की है।

इस खतरे से लड़ने की प्रतिबद्धता के अनुरूप, सीबीआई बाल यौन शोषण सामग्री (आईसीएसई) के बारे में सहयोग प्राप्त करने के लिए इंटरपोल द्वारा स्थापित अंतर्राष्ट्रीय बाल यौन शोषण (सीएसएएम) डेटाबेस में शामिल हो गई है। भारत इस डेटाबेस में शामिल होने वाला 68वां सदस्य देश है। डेटाबेस में 27 लाख से अधिक तस्वीरें हैं और इससे 23,000 से अधिक पीड़ितों की पहचान करने में मदद मिली है। इंटरपोल के महासचिव ने हाल ही में डेटाबेस की उपयोगिता के बारे में कहा है कि यह दैनिक आधार पर औसतन 07 पीड़ितों की पहचान करता है।

यह महसूस करते हुए कि संयुक्त व समन्वित खुफिया आधारित कार्रवाई, संचालन प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण हैं, सीबीआई ने हाल के वर्षों में अखिल भारतीय अभियान चलाए हैं। 2021 में ऑपरेशन कार्बन और 2022 में ऑपरेशन मेघ चक्र। दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि खतरा देश के सभी हिस्सों में फैल चुका है। अब केवल इतना ही, दुनिया भर में 100 से अधिक न्यायालय क्षेत्राधिकारों में अपराध की मौजूदगी है। वास्तविक चुनौती इस कार्रवाई को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने की है। फिर भी, एक देशव्यापी कार्रवाई लोगों के बीच जागरूकता फैलाने में बहुत मदद करती हैं।

जब 100 से अधिक न्यायालय क्षेत्राधिकारों से जुड़े अपराधी एक जघन्य अपराध में बिना किसी बाधा के हाथ मिला सकते हैं, तो यह विडंबना ही है कि कानून प्रवर्तन को एक विश्वसनीय और समन्वित जवाबी कार्रवाई करने में न केवल महीनों बल्कि वर्षों का समय लग जाता है। पारस्परिक कानूनी सहायता में देरी होती है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को क्षेत्रीयता के कारण जांच के लिए वास्तविक समय पर कार्रवाई योग्य डेटा का अभाव, अधिकार क्षेत्रों में डेटा साझा करने का जटिल तंत्र, अपराधियों द्वारा बेनामी/छद्म नाम/वीपीएन/समान तकनीक वाले नेटवर्क का उपयोग, नकली आईडी का उपयोग आदि बाधाओं का भी सामना करना पड़ता है। ऑनलाइन बाल शोषण की तुलना अन्य अपराधों से नहीं की जा सकती। नीति निर्माण और कानून प्रवर्तन को क्षेत्रीय बाधाओं, कानूनी विषमताओं और जटिल प्रक्रियाओं में फंसने की बजाय समाधान ढूंढने की जरूरत है। एक जिम्मेदार वैश्विक समुदाय के रूप में, हमें अपने सभी मतभेदों को दूर करना चाहिए और इस खतरे के खिलाफ एक वास्तविक वैश्विक प्रयास के साथ एक ठोस जवाबी कार्रवाई की जानी चाहिए।

वर्तमान में, इंटरपोल कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच विश्व स्तर पर विश्वास-निर्माण कर सकता है। इसकी स्थिति सबसे अच्छी है- गहरी पैठ के साथ साझेदारियों की विस्तृत श्रृंखला। दिल्ली में आयोजित होने वाली इंटरपोल की आम सभा को मुख्य रूप से इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिससे यह सर्वोच्च प्राथमिकता बन जाए। हमारे बच्चे सबसे पहले- हर बार, हर जगह। यह वैश्विक समुदाय के लिए आदर्श वाक्य और लक्ष्य होना चाहिए।

11 स्कूलों के 800 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में दिखाए दमखम

डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स क्लस्टर लेवल गेम्स एंड स्पोर्ट्स मीट का समापन, मेजबान डीएवी- 4 रहा विजेता

संवाददाता

बोकारो : नगर के सेक्टर- 4 स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में आयोजित डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स क्लस्टर लेवल गेम्स एंड स्पोर्ट्स मीट 2022-23 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में तीन दिनों तक 11 स्कूलों के 800 से अधिक विद्यार्थियों ने खेल की विभिन्न स्पर्द्धाओं में अपने दमखम दिखाए। मेजबान डीएवी सेक्टर -4 156 पॉइंट के साथ प्रतियोगिता रहा, जबकि 88 पॉइंट के साथ डीएवी कथारा की टीम दूसरे स्थान पर रही। शुक्रवार को प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि बीएसएल के सीजीएम (टीए) भूपिंद्र सिंह पोपली ने बच्चों को जीवन में सफलता के टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि जीतने वाले कुछ अलग नहीं करते, बल्कि वे चीजों को कुछ अलग तरीके से करते हैं। एक बेहतर खिलाड़ी बनने के लिए निरंतर अभ्यास करते रहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि बीएसएल के जीएम फाइनेंस कृष्ण चंद ने कहा कि खेल शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अति आवश्यक है खेल एकता, सामाजिकता, देशप्रेम और अनुशासन की भावना पैदा करता है।

एआरओ अरुण कुमार ने कहा कि जीत और हार के बीच का अंतर एक व्यक्ति के दृढ़ संकल्प पर निहित होता है बस आप इस बात को हमेशा याद रखें कि आप एक योद्धा हैं। जो हार कर भी दोबारा जीतने के लिए तैयार रहते हैं। प्राचार्य एके झा ने कहा कि डीएवी सीएमसी के निर्देशन में डीएवी सेक्टर- 4 बच्चों का चतुर्दिक विकास को सतत प्रयत्नशील है। डीएवी संस्था ने कपिलदेव और धोनी जैसे चैंपियन देश को दिए हैं। खेल आपके आज को बेहतर बनाता है और भविष्य का निर्माण भी करता है। वाइस चेयरमैन बीएस जायसवाल एवं मैनेजर डॉ. केसी श्रीवास्तव ने प्रतियोगिता में प्रतिभागिता आवश्यक बताया।

इस अवसर पर डीएवी सेक्टर 4 के बच्चों द्वारा प्रस्तुति सांस्कृतिक कार्यक्रम ने त्योहारों की सुंदर छटा बिखेरी और सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। खेलों के सुचारू रूप से संचालन में खेल शिक्षकों में एसके मिश्रा, रत्नेश, सुशील, हरेंद्र, रंगेश, मयंक एवं सुकांति आदि का विशेष योगदान रहा।

प्राचार्य श्री झा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। बच्चों ने दौड़, डिस्कस थ्रो, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, रिले रेस, हाई जंप आदि स्पर्द्धाओं में अपने दमखम दिखाए।

बिहार फोटो-वीडियो एक्सपो में बोकारो के अनीश सम्मानित

बोकारो : पटना में आयोजित तीन दिवसीय बिहार फोटो वीडियो एक्सपो के इनफ्लुएंसर मीट में झारखंड से बोकारो निवासी अनीश कुशवाहा को सम्मानित किया गया। फोटोग्राफी और क्रिएटिव वीडियो के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

26 वर्षीय अनीश की प्रारंभिक से लेकर इंटर तक की पढ़ाई बोकारो से ही हुई। स्कूल के समय से ही अनीश को क्रिएटिव वीडियो में काम करने की रुचि थी। फिलहाल अनीश डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी रांची से मास कम्युनिकेशन एवं जर्नलिज्म में मास्टर्स की पढाई कर रहे हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

देश में रोजगार की बौछार... 10 लाख युवाओं के लिए भर्ती अभियान शुरू

पीएम मोदी बोले- 'रोजगार मेला' मील का पत्थर, सरकार मैन्युफैक्चरिंग और टूरिज्म क्षेत्रों के विस्तार पर दे रही है ध्यान

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धनतेरस के मौके पर देश में रोजगार की बौछार करते हुए 10 लाख युवाओं के लिए भर्ती अभियान 'रोजगार मेला' का शुभारंभ किया। उन्होंने 'रोजगार मेला' को पिछले आठ वर्षों में रोजगार और स्वरोजगार के लिए सरकार के प्रयासों में महत्वपूर्ण मील का पत्थर करार दिया। बता दें कि देश की सबसे बड़ी समस्याओं में बेरोजगारी काफी अहम मानी जाती है। ऐसे में यह विराट रोजगार मेला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर 75,000 नवनियुक्त कर्मियों के नियुक्ति पत्र जारी किये। पहले दिन देश भर से चयनित आज जिन युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए उन्हें भारत सरकार के 38 मंत्रालयों और विभागों में नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से नवनियुक्त कर्मियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज भारत की युवा शक्ति के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा- 'बीते आठ वर्षों में देश में रोजगार और स्वरोजगार का जो अभियान चल रहा है, आज उसमें एक और कड़ी जुड़ रही है, ये कड़ी रोजगार मेले की है।' उन्होंने कहा कि आपको जनता की सेवा के लिए नियुक्त किया गया है। यह आपके लिए दिया गया अवसर है जिसे सेवा की प्रतिबद्धता के रूप में लिया जाना चाहिए। मोदी ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान एमएसएमई क्षेत्र को 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की केंद्र की मदद से 1.5 करोड़ से अधिक नौकरियों का संकट टल गया। प्रधानमंत्री ने सभी देशवासियों को धनतेरस की बधाई देते हुए कहा कि भगवान धनवंतरी आपको खुश रखें और मां लक्ष्मी की कृपा सभी पर बनी रहे। मैं भगवान से यही प्रार्थना करता हूं।

आत्मनिर्भर भारत के रास्ते पर चल रहे

पीएम मोदी ने कहा- 'आज केंद्र सरकार 75 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दे रही है। बीते आठ वर्षों में पहले भी लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। मोदी ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए हम आत्मनिर्भर भारत के रास्ते पर चल रहे हैं। इसमें हमारे इनोवेटर, एंटरप्रेन्योर, उद्यमियों, किसानों, सर्विस और उत्पादन से जुड़े साथियों की बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि आनेवाले महीनों में इसी तरह लाखों युवाओं को भारत सरकार द्वारा समयसमय पर नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। आज अगर केंद्र सरकार के विभागों में इतनी तत्परता, इतनी क्षमता आई है, इसके पीछे 7-8 साल की कड़ी मेहनत है, कर्मयोगियों का विराट संकल्प है।

भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। 7-8 साल के भीतर हमने 10वें नंबर से 5वें नंबर तक की छलांग लगाई है। यह इसलिए संभव हो पा रहा है, क्योंकि बीते आठ वर्षों में हमने देश की अर्थव्यवस्था की उन कमियों को दूर किया है, जो रुकावटें पैदा करती थीं। उन्होंने कहा कि आज हमारा सबसे अधिक बल युवाओं के कौशल विकास पर है। 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' के तहत देश के युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के हिसाब से ट्रेनिंग देने का बहुत बड़ा अभियान चल रहा है। इसके तहत भी तक सवा करोड़ से अधिक युवाओं को स्किल इंडिया अभियान की मदद से प्रशिक्षित किया जा चुका है।